कार्यालय प्रधानाचार्य राजकीय चिकित्सा महाविद्यालय एवं नियंत्रक संलग्न चिकित्सालय समूह
रंगबाडी रोड, कोटा 324005

क्रमांकः प.1 ( )/पी.ए.(एच)/कोविड–19/2021/320 दिनांक : 24 मई , 2021

–:: भ्रमण टिप्पणी ::–

कोविड–19 संक्रमित मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था/सुविधाओं को बढाने के क्रम में किये जा रहे चिकित्सालयों में विस्तार कार्य का अवलोकन करने हेतु दिनांक 22.05.2021 को अद्योहस्ताक्षरकर्ता द्वारा दिनांक 18.05.2021 की बैठक में लिये गये निर्णयो की अनुपालना सुनिश्चित करवाने के क्रम में नवीन चिकित्सालय एवं सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय का भ्रमण किया गया। भ्रमण के दौरान चिकित्सालयों के अधीक्षक/नर्सिंग अधीक्षक/सार्वजनिक निर्माण विभाग के सिविल/विद्युत खण्ड के अधिषाशी अभियन्ता/सहायक अभियन्ता इत्यादि उपस्थित रहें।

- **नवीन चिकित्सालय :–**

सर्वप्रथम नवीन चिकित्सालय के लेब में हो रहे जाँच कार्यों की समीक्षा की गई जिसमें अवगत करवाया गया कि कोविड मरीजों के लिये होने वाली डी–डाइमर एवं सीआरपी जाँच किट समाप्त हो जाने के कारण पिछले कुछ दिनों से नहीं की जा रही थी इन जाँचो के सेम्पल एमबीएस चिकित्सालय जा रहे है जिससे रोगी को जाँच रिपोर्ट प्राप्त होने में अनावश्यक विलम्ब होता है। अतः चिकित्सालय अधीक्षक को निर्देशित किया गया कि अविलम्ब सभी आवश्यक जाँच किट/रियजेन्ट उपलब्ध करवाकर कोविड मरीजों की सभी जाँचे चिकित्सालय से ही करवाना सुनिश्चित करावें।

नवीन चिकित्सालय में आईसीयू बैड बढ़ाने के लिये वर्तमान कार्डियोलॉजी वार्ड/यूरोलॉजी वार्ड/स्वाइन फ्लू वार्ड/ईमरजेन्सी वार्ड का अवलोकन किया जहां हो रहे आवश्यक विद्युत सॉकेट लगाने एवं वेन्टीलेटर इंस्टालेशन के कार्य का अवलोकन किया जिसमें वेन्टीलेशन इंस्टालेशन करने वाजी एजेंसी द्वारा लगभग कार्य पूर्ण होने के बारे में अवगत करवाया गया कि शाम तक उक्त समस्त कार्य पूर्ण कर दिया जायेगा। इसी प्रकार विद्युत खण्ड अभियन्ता द्वारा अवगत करवाया गया कि बैड साइट पर निर्देशानुसार इलेक्ट्रीक सॉकेट लगाने का कार्य दिनांक 23.05.2021 को पूर्ण करा दिया जायेगा।

वार्डों के अवलोकन के दौरान ध्यान में आया कि यूरोलॉजी वार्ड में 20 बैड का आईसीयू आसानी से तैयार हो जायेगा इसलिये दिनांक 18.05.2021 की बैठक में लिये गये निर्णय 55 आईसीयू बैड बढाने के स्थान पर 60 आईसीयू बैड बढ़ाने के निर्देश दिये गये। इसी क्रम में कोटा विश्वविद्यालय कोविड केयर सेन्टर पर अतिरिक्त रखे 100 बैडो को नवीन चिकित्सालय में मंगवाने के निर्देश चिकित्सालय अधीक्षक को दिये गये।

नवीन चिकित्सालय की द्वितीय मंजिल पर हो रहे निर्माण कार्य के अवलोकन किया गया । अवलोकन के दौरान ध्यान में आया कि कम्पयूटर सर्वर रूम की केबल जो पहले प्रथम मंजिल की छत पर खुली लगी हुई थी अब द्वितीय मंजिल का भवन बनने के कारण गेलेरी, वार्ड तथा कमरों में से खुली हुई ही जा रही है जिसके कारण भविष्य में इस केबल को क्षतिग्रस्त होने का अंदेशा बताया गया। अतः प्रभारी अधिकारी आई.टी. सेल को निर्देशित किया गया कि उक्त केबल का उचित प्रबन्धन कराया जावें यदि इसके लिये किसी अन्य एजेंसी की सेवाओं की आवश्यकता हो तो उस का भी अतिशिघ्र फोरकास्ट एस्टीमेट तैयार करवाकर बजट प्रस्ताव प्रस्तुत किये जावें और इस केबल का शीघ्र अतिशीघ्र उचित प्रबंधन करवाया जावें।

नवीन चिकित्सालय की द्वितीय मंजिल भवन का निर्माण कार्य लगभग पूर्ण होने को है जिसका फिनिसिंग कार्य अंतिम चरणों में चल रहा है। इस संबंध में सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं द्वारा अवगत करवाया गया कि 80 शैय्याएं लगाने के लिये आवश्यक वार्ड/भवन एक दम तैयार है जिसका उपयोग कभी भी प्रारम्भ किया जा सकता है, जिसका भ्रमण के दौरान अवलोकन किया गया एवं सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं को निर्देशित किया गया कि भवन के इस भाग में पहुंचने के लिये रेम्प, सीढियों एवं लिफ्ट का मार्ग शीघ्रातिशीघ्र तैयार कर चिकित्सालय प्रशासन को भवन का यह भाग उपयोग हेतु हस्तानान्तरित किया जायें ताकि संभावित कोविड की तीसरी लहर के लिये अतिरिक्त शैय्याएं लगाने की व्यवस्था तुरन्त पूरी कर दी जायें। साथ ही दूसरी मंजिल के शेष भाग को भी पूर्ण करवाने के निर्देश सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं को दिये गये।

दूरभाष न0 0744-2470674 || 0744-2323578 ईमेल : principal.mc.kota@rajasthan.gov.in||
वेबसाइhttp://www.education.rajasthan.gov.in/gmckota

नवीन चिकित्सालय में तृतीय मंजिल पर नवीन निर्माण हुए किडनी ट्रांसप्लांन्ट भवन का अवलोकन किया गया जिसका निर्माण कार्य लगभग पूर्ण हो चुका है इस भवन को शीघ्रताशीघ्र सभी दृष्टि से पूर्ण कर चिकित्सालय प्रशासन को हस्तानान्तरित करने के निर्देश सार्वजनिक निर्माण विभाग के अभियन्ताओं को दिये गये।

भ्रमण के दौरान ऑक्सीजन प्लान्ट साइट का भी अवलोकन किया गया तथा नया ऑक्सीजन प्लान्ट के प्लेटफॉर्म का कार्य शीर्घ प्रारम्भ करने के निर्देश दिये गये।

- **सुपर स्पेशिलिटी चिकित्सालय :–**

एसएसएच भवन के निर्माण के दौरान कोविड मरीजों की चिकित्सा व्यवस्था के प्रबंधन की वस्तुस्थिति के संबंध में चिकित्सालय अधीक्षक से विचार विमर्श किया गया एवं वार्डों के शौचालयों में विशेष रूप से द्वितीय मंजिल के वार्डों के शौचालयों में आवश्यक मरम्मत कार्य/रख रखाव के कार्य शीघ्र पूर्ण करवाते हुए सभी शौचालयों की समय पर साफ सफाई की पुख्ता व्यवस्था करने के निर्देश दिये गये।

एसएसएच भवन के लिये लगने वाले नये ऑक्सीजन जनरेशन प्लांन्ट साइट का भी अवलोकन किया गया तथा शीघ्र वांछित प्लेटफॉर्म तैयार करवाने के निर्देश दिये गये।

भ्रमण के दौरान यह भी ध्यान में आया कि **नवीन चिकित्सालय/एसएसएच** परिसर में वाहन पार्किंग स्थल की काफी कमी है जिसके कारण वाहन इधर–उधर सम्पूर्ण परिसर में अव्यवस्थित रूप से खड़े रहते है। इसलिये एक नवीन पार्किंग स्थल विकसित करने के संबंध में विचार विमर्श किया गया तथा सार्वजनिक निर्माण विभाग के परियोजना खण्ड के अधिशाषी अभियन्ता को निर्देशित किया गया कि आधुनिक शौचालय के पीछे सड़क व नाले के मध्य स्थित भूमि का ले–आउट प्लान मय अनुमानित लागत के पार्किंग स्थल विकसित करने हेतु तैयार कर अविलम्ब प्रस्तुत किया जायें।

अंतः में भ्रमण में दिये गये निर्देशों की पालना सभी संबंधित द्वारा अविलम्ब सुनिश्चित करने के निर्देश दिये गये।

(डॉ. विजय सरदाना)
प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक

प्रतिलिपि निम्नांकित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित है :–

1. निजी सचिव, प्रमुख शासन सचिव, चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग, जयपुर।
2. निजी सचिव, शासन सचिव, चिकित्सा शिक्षा विभाग, जयपुर।
3. आयुक्त, चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, जनता कॉलोनी, जयपुर।
4. अतिरिक्त निदेशक (प्रशासन), चिकित्सा शिक्षा निदेशालय, जनता कॉलोनी, जयपुर
5. संभागीय आयुक्त, कोटा संभाग, कोटा।
6. जिला कलक्टर कोटा।
7. अतिरिक्त प्रधानाचार्य–प्रथम/द्वितीय/तृतीय, मेडिकल कॉलेज, कोटा।
8. अधीक्षक एमबीएस/नवीन चिकि0 /जेकेलोन/रामपुरा/एसएसएच, कोटा।
9. अधिशाषी अभियन्ता सा0 नि0 विभाग परियोजना खण्ड/विद्युत खण्ड, कोटा।
10. मुख्य लेखाधिकारी, मेडिकल कॉलेज कोटा।
11. विभागाध्यक्ष निश्चेतना/नेफ्रोलॉजी विभाग, मेडिकल कॉलेज कोटा ।
12. अति0 निजी सचिव, प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक, मेडिकल कॉलेज, कोटा।
13. प्रभारी अधिकारी आई.टी. सेल, मेडिकल कॉलेज कोटा।
14. सामान्य शाखा/ लेखा शाखा, मेडिकल कॉलेज, कोटा।

प्रधानाचार्य एवं नियंत्रक